



Dataram gurjar

16 Sep 1966

01:15 PM

Khetri

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 120903501

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 16/09/1966
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 13:15:00 घंटे
इष्ट _____: 17:36:38 घटी
स्थान _____: Khetri
राज्य _____: Rajasthan
देश _____: India

अक्षांश _____: 28:00:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:45:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:27:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 12:48:00 घंटे
वेलान्तर _____: 00:04:56 घंटे
साम्पातिक काल _____: 12:27:15 घंटे
सूर्योदय _____: 06:12:20 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:31:18 घंटे
दिनमान _____: 12:18:57 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: उत्तर
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 29:36:34 सिंह
लग्न के अंश _____: 00:42:12 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: धनु - गुरु
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: हस्त - 4
नक्षत्र स्वामी _____: चन्द्र
योग _____: ब्रह्म
करण _____: कौलव
गण _____: देव
योनि _____: महिष
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: श्वान
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: ठ-ठकुर
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: कन्या

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

| कैलेंडर | वर्ष | मास | तिथि/प्रविष्टे |
|------------|---------------|---------|----------------|
| राष्ट्रीय | शक : 1888 | भाद्रपद | 25 |
| पंजाबी | संवत : 2023 | आश्विन | 1 |
| बंगाली | सन् : 1373 | भाद्रपद | 31 |
| तमिल | संवत : 2023 | आवनी | 31 |
| केरल | कोल्लम : 1142 | चिंगम | 31 |
| नेपाली | संवत : 2023 | आश्विन | 1 |
| चैत्रादि | संवत : 2023 | भाद्रपद | शुक्ल 2 |
| कार्तिकादि | संवत : 2023 | भाद्रपद | शुक्ल 2 |

पंचांग

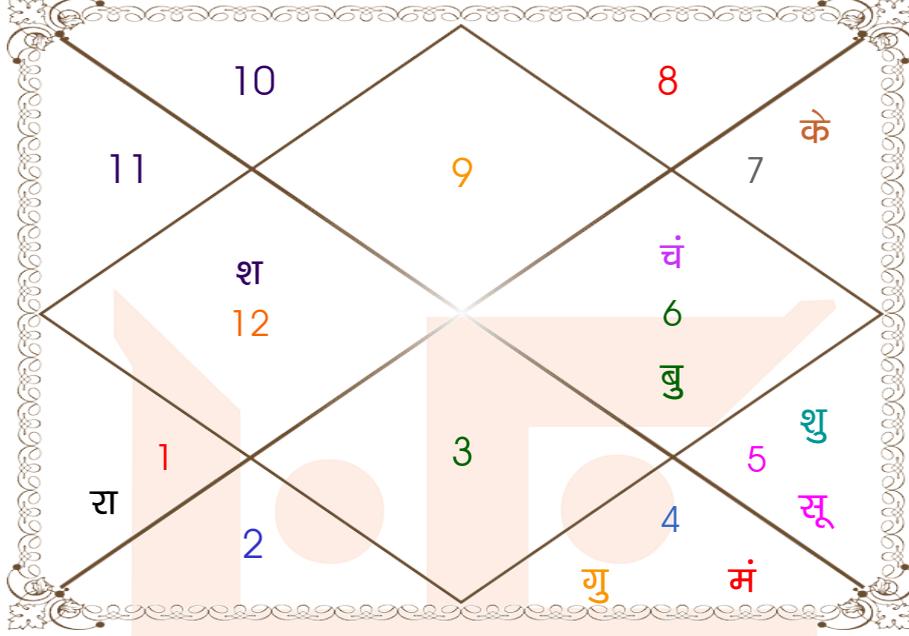
सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 2
तिथि समाप्ति काल _____ : 17:16:13
जन्म तिथि _____ : 2
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : हस्त
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 16:33:57 घंटे
जन्म योग _____ : हस्त
सूर्योदय कालीन योग _____ : शुक्ल
योग समाप्ति काल _____ : 11:56:47 घंटे
जन्म योग _____ : ब्रह्म
सूर्योदय कालीन करण _____ : बालव
करण समाप्ति काल _____ : 07:01:55 घंटे
जन्म करण _____ : कौलव
भयात _____ : 44:39:42
भभोग _____ : 52:57:04
भोग्य दशा काल _____ : चंद्र 1 वर्ष 6 मा 20 दि

घात चक्र

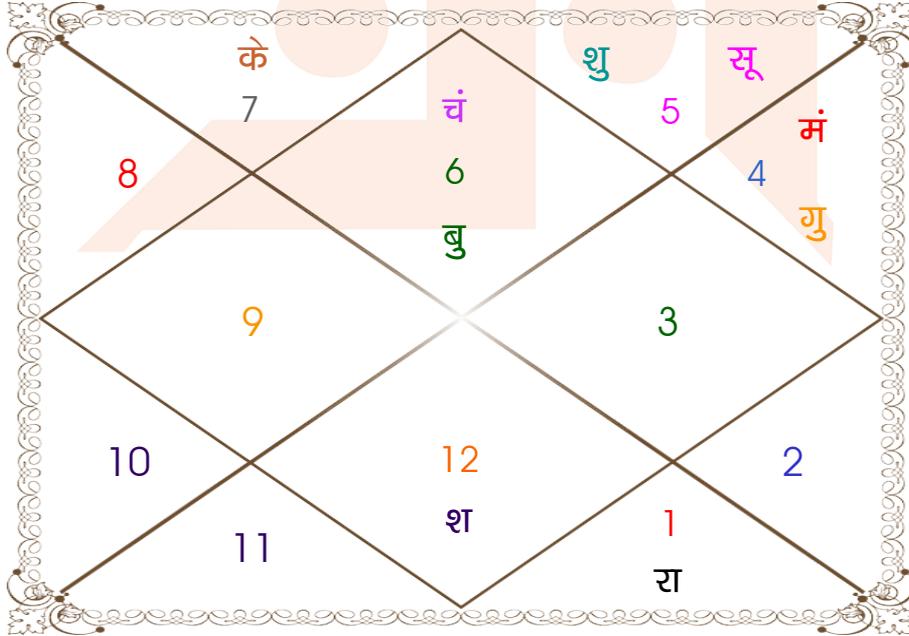
मास _____ : भाद्रपद
तिथि _____ : 5-10-15
दिन _____ : शनिवार
नक्षत्र _____ : श्रवण
योग _____ : शुक्ल
करण _____ : कौलव
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : मेष
लग्न _____ : मीन
सूर्य _____ : मेष
चन्द्र _____ : मिथुन
मंगल _____ : वृष
बुध _____ : मीन
गुरु _____ : मिथुन
शुक्र _____ : कर्क
शनि _____ : मीन
राहु _____ : सिंह

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुण्डली

| | | | |
|---|----|--|----------|
| श | रा | | |
| | | | गु मं |
| | | | शु सू |
| ल | के | | बु चं |

लग्न कुण्डली

| | | |
|----------|----|---|
| | रा | श |
| गु मं | | |
| सू शु | के | ल |
| चं बु | | |

विंशोत्तरी
चन्द्र 1वर्ष 6मा 20दि
चन्द्र

16/09/1966

06/04/2078

| | |
|--------|------------|
| चन्द्र | 06/04/1968 |
| मंगल | 07/04/1975 |
| राहु | 06/04/1993 |
| गुरु | 06/04/2009 |
| शनि | 06/04/2028 |
| बुध | 06/04/2045 |
| केतु | 06/04/2052 |
| शुक्र | 06/04/2072 |
| सूर्य | 06/04/2078 |

योगिनी

संकटा 1वर्ष 2मा 28दि
सिद्धा

14/12/2024

14/12/2031

| | |
|---------|------------|
| सिद्धा | 25/04/2026 |
| संकटा | 14/11/2027 |
| मंगला | 24/01/2028 |
| पिंगला | 14/06/2028 |
| धान्या | 13/01/2029 |
| भामरी | 24/10/2029 |
| भद्रिका | 14/10/2030 |
| उल्का | 14/12/2031 |

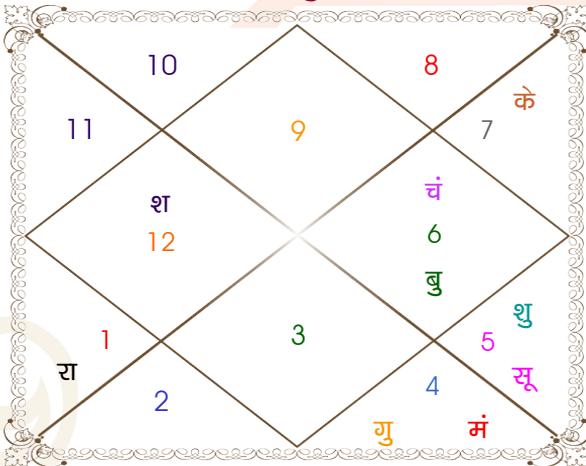
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | राशि | अंश | स्थिति | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|--------|--------|----------|------------|------|------|-------|-----------|
| लग्न | धनु | 00:42:12 | --- | -- | -- | -- | नेक |
| सूर्य | सिंह | 29:36:34 | स्वराशि | -- | -- | -- | नेक |
| चन्द्र | कन्या | 21:15:36 | मित्र राशि | हाँ | -- | -- | मन्दा |
| मंगल | कर्क | 20:20:34 | नीच राशि | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| बुध | कन्या | 04:47:42 | उच्च राशि | हाँ | -- | -- | नेक |
| गुरु | कर्क | 04:48:36 | उच्च राशि | -- | हाँ | -- | नेक |
| शुक्र | सिंह | 15:41:17 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| शनि | व मीन | 03:08:06 | सम राशि | -- | -- | -- | नेक |
| राहु | व मेष | 24:08:16 | शत्रु राशि | -- | -- | -- | मन्दा |
| केतु | व तुला | 24:08:16 | सम राशि | -- | -- | -- | नेक |

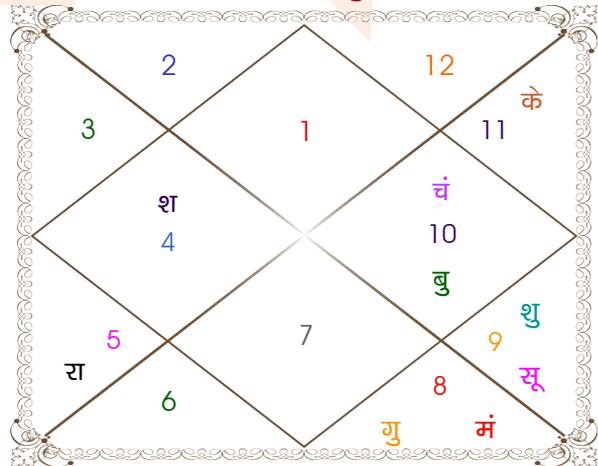
भाव स्थिति

| खाना नं. | मालिक | पक्का घर | किस्मत जगानेवाला | सोया | उच्च | नीच |
|----------|-------|-----------|------------------|------|------------|------------|
| 1 | मंगल | सूर्य | मंगल | हाँ | सूर्य | शनि |
| 2 | शुक्र | गुरु | चंद्र | -- | चंद्र | -- |
| 3 | बुध | मंगल | बुध | हाँ | राहु | केतु |
| 4 | चंद्र | चंद्र | चंद्र | -- | गुरु | मंगल |
| 5 | सूर्य | गुरु | सूर्य | -- | -- | -- |
| 6 | बुध | बुध,केतु | केतु | हाँ | बुध,राहु | शुक्र,केतु |
| 7 | शुक्र | शुक्र,बुध | शुक्र | हाँ | शनि | सूर्य |
| 8 | मंगल | मंगल,शनि | चंद्र | -- | -- | चंद्र |
| 9 | गुरु | गुरु | शनि | -- | केतु | राहु |
| 10 | शनि | शनि | शनि | -- | मंगल | गुरु |
| 11 | शनि | शनि | गुरु | -- | -- | -- |
| 12 | गुरु | गुरु,राहु | राहु | -- | शुक्र,केतु | बुध,राहु |

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



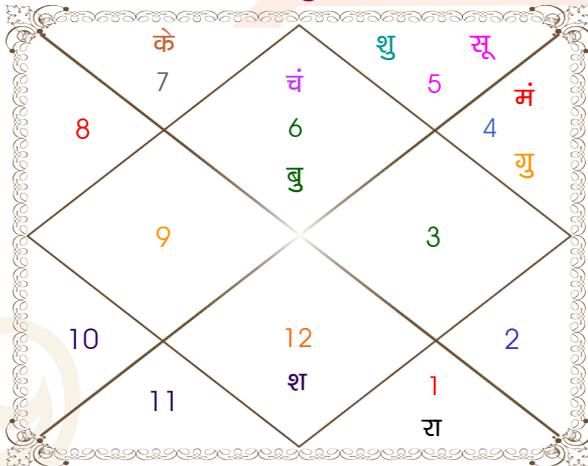
मैत्रीचक्र सारिणी

| ग्रह | सूर्य | चंद्र | मंगल | बुध | गुरु | शुक्र | शनि | राहु | केतु |
|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|-------|
| सूर्य | --- | मित्र | मित्र | शत्रु | मित्र | सम | सम | सम | शत्रु |
| चंद्र | मित्र | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| मंगल | मित्र | मित्र | --- | सम | मित्र | शत्रु | शत्रु | शत्रु | सम |
| बुध | मित्र | सम | शत्रु | --- | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | शत्रु |
| गुरु | मित्र | मित्र | मित्र | सम | --- | सम | शत्रु | शत्रु | शत्रु |
| शुक्र | सम | सम | शत्रु | मित्र | शत्रु | --- | मित्र | सम | मित्र |
| शनि | सम | सम | सम | मित्र | शत्रु | मित्र | --- | मित्र | शत्रु |
| राहु | सम | शत्रु | सम | मित्र | शत्रु | सम | मित्र | --- | मित्र |
| केतु | शत्रु | सम | सम | शत्रु | शत्रु | मित्र | शत्रु | मित्र | --- |

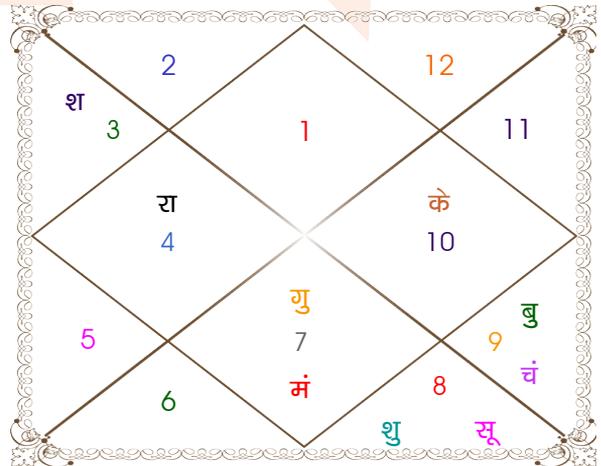
ग्रह/राशि फल

| ग्रह | वर्णन | फल |
|-------|---|------|
| सूर्य | लंबी उम्र/ भारी कबीला । | -- |
| चंद्र | आक मदार का दूध, जहरीला पानी । | -- |
| मंगल | मौत का फंदा । | ग्रह |
| बुध | प्रसन्नता से निर्वाह करने वाले की हजूरिया । | राशि |
| गुरु | परमात्मा की मदद का मालिक । | -- |
| शुक्र | मिट्टी की काली आंधी । | -- |
| शनि | पानी का सांप । | -- |
| राहु | शरारती, संतान गर्क मगर सूर्य को तारे । | -- |
| केतु | गीदड़ स्वभाव कुत्ता । | -- |

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



लालकिताब दशा

| | | | | |
|---|--|---|---|---|
| शनि 6 वर्ष 16/09/1966 16/09/1972 | राहु 6 वर्ष 16/09/1972 16/09/1978 | केतु 3 वर्ष 16/09/1978 16/09/1981 | गुरु 6 वर्ष 16/09/1981 16/09/1987 | सूर्य 2 वर्ष 16/09/1987 16/09/1989 |
| राहु 16/09/1968 बुध 16/09/1970 शनि 16/09/1972 | मंगल 16/09/1974 केतु 16/09/1976 राहु 16/09/1978 | शनि 16/09/1979 राहु 16/09/1980 केतु 16/09/1981 | केतु 16/09/1983 गुरु 16/09/1985 सूर्य 16/09/1987 | सूर्य 17/05/1988 चंद्र 15/01/1989 मंगल 16/09/1989 |
| चंद्र 1 वर्ष 16/09/1989 16/09/1990 | शुक्र 3 वर्ष 16/09/1990 16/09/1993 | मंगल 6 वर्ष 16/09/1993 16/09/1999 | बुध 2 वर्ष 16/09/1999 16/09/2001 | शनि 6 वर्ष 16/09/2001 16/09/2007 |
| गुरु 16/01/1990 सूर्य 17/05/1990 चंद्र 16/09/1990 | मंगल 16/09/1991 शुक्र 16/09/1992 बुध 16/09/1993 | मंगल 16/09/1995 शनि 16/09/1997 शुक्र 16/09/1999 | चंद्र 17/05/2000 मंगल 15/01/2001 गुरु 16/09/2001 | राहु 16/09/2003 बुध 16/09/2005 शनि 16/09/2007 |
| राहु 6 वर्ष 16/09/2007 16/09/2013 | केतु 3 वर्ष 16/09/2013 16/09/2016 | गुरु 6 वर्ष 16/09/2016 16/09/2022 | सूर्य 2 वर्ष 16/09/2022 16/09/2024 | चंद्र 1 वर्ष 16/09/2024 16/09/2025 |
| मंगल 16/09/2009 केतु 16/09/2011 राहु 16/09/2013 | शनि 16/09/2014 राहु 16/09/2015 केतु 16/09/2016 | केतु 16/09/2018 गुरु 16/09/2020 सूर्य 16/09/2022 | सूर्य 18/05/2023 चंद्र 16/01/2024 मंगल 16/09/2024 | गुरु 15/01/2025 सूर्य 17/05/2025 चंद्र 16/09/2025 |
| शुक्र 3 वर्ष 16/09/2025 16/09/2028 | मंगल 6 वर्ष 16/09/2028 16/09/2034 | बुध 2 वर्ष 16/09/2034 16/09/2036 | शनि 6 वर्ष 16/09/2036 16/09/2042 | राहु 6 वर्ष 16/09/2042 16/09/2048 |
| मंगल 16/09/2026 शुक्र 16/09/2027 बुध 16/09/2028 | मंगल 16/09/2030 शनि 16/09/2032 शुक्र 16/09/2034 | चंद्र 18/05/2035 मंगल 16/01/2036 गुरु 16/09/2036 | राहु 16/09/2038 बुध 16/09/2040 शनि 16/09/2042 | मंगल 16/09/2044 केतु 16/09/2046 राहु 16/09/2048 |
| केतु 3 वर्ष 16/09/2048 16/09/2051 | गुरु 6 वर्ष 16/09/2051 16/09/2057 | सूर्य 2 वर्ष 16/09/2057 16/09/2059 | चंद्र 1 वर्ष 16/09/2059 16/09/2060 | शुक्र 3 वर्ष 16/09/2060 16/09/2063 |
| शनि 16/09/2049 राहु 16/09/2050 केतु 16/09/2051 | केतु 16/09/2053 गुरु 16/09/2055 सूर्य 16/09/2057 | सूर्य 17/05/2058 चंद्र 16/01/2059 मंगल 16/09/2059 | गुरु 16/01/2060 सूर्य 17/05/2060 चंद्र 16/09/2060 | मंगल 16/09/2061 शुक्र 16/09/2062 बुध 16/09/2063 |
| मंगल 6 वर्ष 16/09/2063 16/09/2069 | बुध 2 वर्ष 16/09/2069 16/09/2071 | बुध 2 वर्ष 16/09/2069 16/09/2071 | बुध 2 वर्ष 16/09/2069 16/09/2071 | बुध 2 वर्ष 16/09/2069 16/09/2071 |
| मंगल 16/09/2065 शनि 16/09/2067 शुक्र 16/09/2069 | चंद्र 17/05/2070 मंगल 16/01/2071 गुरु 16/09/2071 | चंद्र 17/05/2070 मंगल 16/01/2071 गुरु 16/09/2071 | चंद्र 17/05/2070 मंगल 16/01/2071 गुरु 16/09/2071 | चंद्र 17/05/2070 मंगल 16/01/2071 गुरु 16/09/2071 |

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6ठें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा नहीं है।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग

टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्री नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी स्वऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या अधिक से अधिक दस-दस रुपये जितने भी रुपये सभी दे सकें) इकट्ठा कर के धर्म स्थान पर सामूहिक यज्ञ करें।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का

अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटा-बुआ, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर सौ अलग-अलग स्थानों की मछलियों को खाना खिलाना चाहिए।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली में नौवें खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप भाग्यवान होंगे। आपको उत्तम वाहन सुख मिलेगा। बड़े परिवार से युक्त रहेंगे। आप परोपकारी होंगे। आप अपनी सात पुशुतों को तारने वाले होंगे। आप अपने खानदान के लिए पूरा जीवन न्यौछावर कर देंगे। 22वें वर्ष में आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। माता-पिता की कृपा से राजदरबार में इज्जत मिलेगी। तीर्थ यात्रा करने से आपके जीवन पर अच्छा असर पड़ेगा। आपके परंपरागत काम या सरकारी ठेकेदारी के धंधे से लाभ होगा। आपको माता-पिता का अच्छा सुख मिलेगा। आपकी बचपन में परवरिश खानदानी ढंग तथा सुख साधन से होगी। आप खानदान के लिए त्याग करेंगे और आप परोपकारी होंगे। आप पोते-पड़पोते के जन्म की खुशियां देखेंगे। पैसे की तंगी नहीं रहेगी। आप दूसरों की बीमारी दूर करने में मदद करेंगे। आपके पिता को सरकार पक्ष से लाभ होगा। बहुत बड़े परिवार को पालने का जिम्मा आप पर हो सकता है। धार्मिक कार्यों से तरक्की और कीर्ति मिलेगी। स्वपराक्रम से अपनी किस्मत का सितारा चमकायेंगे। सरकारी विभाग में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा, राजा या राजा तुल्य जीवन होगा, नौकरी-व्यापार में लाभ होगा।

यदि आपकी रसोई में उल्टे या बहुत समय से पुराने खाली बर्तन पड़े रहे, मकान का मुख्य दरवाजा पश्चिम दिशा में हुआ, भाई-बहन से झगड़ा किया तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से स्वभाव अति उग्र या अति नम्र स्वभाव रहने से सर्वस्व खोना पड़ सकता है। गिफ्ट/मुफ्त का माल या दान खाने से हर तरफ हानि होगी, यात्रा में कष्ट होगा, बहन-भाई द्वारा विरोध और किस्मत का बुरा असर शुरु हो जायेगा। कई बार आपको नेकी का बदला बुराई में मिल सकता है और जिसके साथ आप संबंध रखेंगे उसी की हानि होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त या दान के माल से दूर रहें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

उपाय :

1. पीतल के बर्तनों का प्रयोग करें।
2. सूर्य ग्रहण के समय 4 सूखे नारियल जल में प्रवाहित करें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप कुल की नैया पार लगायेंगे। आपको चीर-फाड़ के या सर्जिकल के सामान से अधिक लाभ होगा। आप

चिकित्सक होकर भी डॉक्टर का काम नहीं करें। यदि डाक्टर बन कर डाक्टर का कार्य करते हैं तो अपने पास से दवाई न दें। आपको माता-पिता का पूरा सुख मिलेगा। आपको मकान और ससुराल वालों से लाभ मिलेगा। व्यापार में लाभ होगा।

यदि आप डाक्टर हैं और अपने पास से रोगी को लिक्विड दवाई दी, समाज विरोधी कार्य किये, बड़े-बुजुर्गों का अपमान किया, रात के समय अपने मकान की नींव रखी तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी प्रेमिका या विधवा स्त्रियों के कारण धन की बर्बादी होगी। आप अपने जीवन में धोखेबाजी और तैरते को पानी में डुबाने वाले होंगे। आपको दुर्घटना का शिकार भी होना पड़ सकता है। किसी भी औरत के साथ नाजायज संबंध आपकी बर्बादी का कारण बन सकता है। आपका मां से अच्छा सलूक नहीं रहेगा। दवाई के व्यापार से हानि होगी। आपको चोर-डाकू, जुआरी एवं शराबी लोगों से नुकसान हो सकता है। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है। आपकी माता को 10 वर्ष बीमारी हो सकती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चोर-डाकू से संबंध न रखें।
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

उपाय :

1. दूध को फटा कर दूध का पानी पीयें (खराब सेहत के समय)
2. सूर्यास्त के बाद दूध न पीयें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली में मंगल आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार आठवें खाने में मंगल हो तो व्यक्ति मंगलीक होता है। आप मांगलिक पुरुष हैं। आपको माता-पिता का पूरा सहारा मिलेगा। आपको गृहस्थी का पूरा सुख मिलेगा। आपका हौसला बुलंद रहेगा। आप लौह पुरुष होंगे। आप नतीजा सोचे-समझे बिना, हिम्मत के साथ कष्टों का मुकाबला करेंगे। आप अपने काम-काज में मन लगा कर काम करने के आदी होंगे। आप इंसानों के लिए लड़ने को तैयार रहेंगे। आपके जीवन की रक्षा होती रहेगी। आप जीवन में बाधाओं को हंस कर सह लेंगे। ससुराल से संपत्ति का लाभ होगा। शत्रुओं पर जीत हासिल करेंगे या शत्रु भय से सामने न आयेगा।

यदि आपने विधवा स्त्री के साथ झगड़ा करके उसकी बददुआ ली, घर में जमीन के अंदर रहने वाली तंदूर-भट्टी हुई, लोगों से बिना कारण झगड़ा-फसाद किया, चाकू-छुरी हर समय अपने पास रखी तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारणवश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आपके छोटे भाई के लिए बेहद बुरा एवं भाई के कारण, लड़ाई-झगड़े होंगे। आपका भाई आपका बेड़ा गर्क कर सकता है। अचानक दुर्घटना से रक्त

विकार हो सकता है या नाखून के दोष की आशंका है। किसी आदमी पर बेवजह गुस्सा करना, पछतावा का कारण बन सकता है। आप गुस्सा करके नुकसान भी उठा सकते हैं। आप पर कोई आक्रमण हो इस बात की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. घर के अंदर जमीन में तंदूर/भट्टी न रखें।
2. तोता या मैना न पालें।

उपाय :

1. विधवा स्त्री का आर्शीवाद लें।
2. तंदूर में मीठी रोटी लगा कर कुत्तों को खिलावें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध दसवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप अपने विभाग में अधिकारी के प्रिय रहेंगे। आप व्यवहार कुशल, ठीक से जीवन निर्वाह करने वाले होंगे। आप खुशामदी और नीतिशास्त्र में निपुण होंगे। आप लेखक-संपादक, अनेक विद्याओं के जानने वाले हो सकते हैं। ठेकेदारी के काम से धन कमाने वाले होंगे। आप पूरा धन कमाने वाले हैं। आप अव्वल दर्जे के खुशामदी होंगे। आप अपनी चिकनी चुपड़ी बातों से स्वार्थ सिद्ध करेंगे। आप समुद्री यात्रा या विदेश की यात्रा अवश्य करेंगे। आप शरारती और मतलब परस्त होंगे। परंतु दूसरों के हां में हां मिलाने या खुशामद करने में माहिर होंगे। आप मीठी-मीठी बातें करके सबको मोहित कर लिया करेंगे। व्यापार करने से घर के लोगों को भी बरकत होगी। आप हुनरमंद और बेशर्म स्वभाव के हैं। 50 वर्ष की उम्र के बाद आपका अच्छा जीवन बीतेगा और आर्थिक स्थिति में सुधार हो जाएगा।

यदि आपने मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया, हरे रंग की बोतल में विदेशी शराब या परफ्यूम अपने घर में रखा, मछली का शिकार किया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से शराब-पीना और मांस खाना आपके लिए नुकसानदेह है। आपको अपनी नजर में दोष उत्पन्न हो सकता है। आप दूसरों के लिए बेवकूफ दोस्त के समान होंगे। आपकी दूसरों के साथ चालबाजी की आदत रहेगी। 48 वर्ष की आयु तक पिता के सुख में अभाव हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चौड़े पत्तों का वृक्ष, तुलसी-मनीप्लांट न लगावें।
2. शराब-मछली का सेवन न करें।

3. मछली का शिकार न करें या मछली न पकड़ें।

उपाय :

1. मजदूर पेशा व्यक्ति की सेवा करें।
2. मछलियों को भोजन का हिस्सा खिलायें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति आठवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप दीर्घायु, धनवान रहेंगे। आपकी और आपके पिता की लंबी आयु होगी। आप चरित्रवान, शील स्वभाव से अच्छे, विवेकी एवं पूरे परिवार की विपत्ति को अपने सिर पर लेने वाले होंगे। धन और आयु वृद्धि होती रहेगी। अधिक कठिनाई में ईश्वर आपकी मदद करेंगे। आप आध्यात्मिक एवं गुप्त विद्या के माहिर होंगे।

यदि आपने दूसरे के धन का उपभोग किया, भलाई करने वाले का बुरा किया, दीन-दुःखियों को सताया तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आपको अपने पिता से हमेशा दूर रहना पड़ सकता है। आप पिता से अलग रहे तो आपका समय खराब होगा। आप अफवाहों के शिकार बनेंगे। आप यदि साधू हो जाएं तो दुःखी रहेंगे। आपके परिवार में कई प्रकार की मुसीबतें पैदा हो सकती हैं। कभी-कभी आपके हौसले मंदे पड़ जाएंगे। आपको मूत्र रोग आदि बीमारी या मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। आपको बार-बार जन्म लेना पड़ सकता है। मोक्ष मिलने की उम्मीद कम है। आपके कामों में अड़चनें आएंगी। आपके शरीर में सुस्ती रहेगी या हर समय मन बुझा-बुझा सा रहेगा। कोई दुर्घटना या बड़ी मुसीबत का योग बन सकता है। आप अपने जीवन में कुछ ऐसे कार्य कर बैठेंगे जिससे आपको बहुत पछतावा हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आवारा साधू का साथ न रखें।
2. चाल-चलन ठीक रखें।

उपाय :

1. शरीर पर सोना पहनें।
2. दही, आलू, घी धर्म स्थान में दें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र नौवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्य मंदा रहेगा। 25 वर्ष के बाद का समय अच्छा रहेगा। इसलिए 25 वर्ष की उम्र के बाद शादी करें। अमीरी होने के बाद भी परिश्रम से रोटी प्राप्त होगी। तीर्थ यात्रा करना संतान के लिए शुभ है। आपके पास धन भी होगा। आप एक बुद्धिमान व्यक्ति की तरह हैं। आपको मन में शक्ति

मिलेगी तथा धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। नौकर-सेवकों से सुख मिलेगा।

यदि आपके घर में ढेक का वृक्ष, एल्युमिनीयम के बर्तन हुए, 25वें वर्ष में विवाह किया, छोटी आयु में मादक चीजों-द्रव्यों का प्रयोग किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारणवश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विवाह के बाद से आपके पीछे दुःख लग जाएगा। स्त्री, धन-दौलत पर बुरा असर पड़ेगा, ऐसी आशंका है। आप दूसरों की मुसीबत और मंदा सेहत का जंजाल अपने ही गले लगा लेंगे। आप नशे की बुरी लत के कारण बीमारियों से तंग रहेंगे। आपकी धन-दौलत की बर्बादी का कारण भाई-बंधु बनेंगे। गुप्त रोग हो सकते हैं। लोगों से एतबार पर लेन-देन का फल मंदा हो सकता है। आपको खेती-बाड़ी से अच्छा लाभ नहीं होगा। आपके और आपकी स्त्री के लिए परेशानियां पैदा होंगी। आपके पास धन-दौलत इकट्ठी नहीं होगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 25वें वर्ष में विवाह न करावें।
2. एल्युमिनीयम का बर्तन प्रयोग न करें।

उपाय :

1. मकान बनावें तो नींव में चांदी के बर्तन में घहद भर कर रखें।
2. पत्नी को चांदी की चूड़ी पर लाल रंग करके बायें हाथ में पहनायें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के चौथे खाने में शनि पड़ा है, जिसकी वजह से आपका जीवन सुखी रहेगा। आप स्त्री और प्रेम संबंधों से घिरे रहेंगे, परंतु जवानी के बाद कामवासना से परहेज और धार्मिक विचारों की प्रवृत्ति हो जाएगी। सेहत खराब के समय शराब दवा के रूप में काम करेगी। आपके रिश्तेदार आपकी सहायता करेंगे। माता या पिता में से एक का सुख बहुत लंबे समय तक मिलेगा। दूसरी औरतों के आगे-पीछे भागना, आपकी अपनी पत्नी के लिए बुरा असर करेगा। घर से दूर विद्या पढ़ें तो अधिक लाभ होगा।

यदि आपने किराये के मकान में रिहाईश की, मकान में काले कीड़े निकले, सांप का तेल बेचना शुरू किया, मादक चीजें बेचीं तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आप क्रोधी, धूर्त, पानी के सांप जैसे स्वभाव के होंगे, आपको मकान-जायदाद का सुख कम ही मिलेगा। कभी बीमारी के चक्कर में पड़ जाएं तो शनि की चीजों का प्रयोग करें। माता दुःखी रहेंगी या माता के लिए कष्टकारक समय होगा। विधवा स्त्री से अनैतिक संबंध रखने पर या खर्च करने से कंगाल हो जाएंगे। शराब पीने से शुभ प्रभाव नष्ट हो जाएगा। पेट में खराबी, विकार रहेंगे। आपकी जायदाद पर दूसरों का कब्जा हो सकता है और आप पर लांछन लगेगा। आपकी पत्नी आपके कारण दुःखी रह सकती है या आपको पत्नी सुख में कमी रहेगी।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हरा रंग हानिकारक है।
2. काला कपड़ा न पहनें।

उपाय :

1. कुएं में दूध डालें।
2. मछली-भैंस-कौवे को भोजन का हिस्सा खिलायें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में राहु पड़ा है। आपकी 21 वर्ष आयु में प्रथम पुत्र और 42 वर्ष आयु में दूसरा पुत्र पैदा होगा। आपको पुत्रों का सुख मिलेगा, उम्मीद है। औलाद मूर्ख और आप ब्रह्मज्ञानी होंगे। आपकी औलाद से अधिक सुखी जीवन आपके पोते-पड़पोते का होगा। आप चंचल और अस्थिर बुद्धि के होंगे। आपकी माता का संपूर्ण जीवन बड़ा सुखमय समय रहेगा। धन-संपत्ति और औलाद में वृद्धि होगी। आपको भाई का सुख मिलेगा। आप परिवार और माया की ओर से सुखिया होंगे। धर्म-मर्यादा के मालिक होंगे। व्यापार आपके लिये सब उत्तम धन कमाने का साधन होगा, राज्याधिकारियों से लाभ होगा।

यदि आपने पत्नी से अच्छे संबंध न रखे, उससे तलाक लिया, बुजुर्गी मकान की दहलीज खराब कर ली, पिता या ससुर से झगड़ा किया तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप बचपन में शरारती होकर पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगाएंगे। शिक्षा अधूरी रह जाएगी या मन के मुताबिक पढ़ाई नहीं कर सकेंगे। संतान जन्म से 12 वर्ष पत्नी का स्वास्थ्य खराब रहेगा। पहली संतान नहीं बचे ऐसी शंका बनती है। पत्नी से तलाक या जुदाई हो, ऐसी शंका है। पत्नी से तलाक/जुदाई की तो संतान का सुख न मिलेगा। आप पाप कर्म में रत हो सकते हैं। आपको पुत्र का सुख न मिले। आपकी सेहत बिगड़ सकती है तथा बेकार का धन खर्च होगा। आपकी आंखों की दृष्टि में भी कोई दोष उत्पन्न हो सकता है। आपके काम करने का ढंग भी स्थिर नहीं रहेगा। काम की चीजों को भी इधर से उधर करते रहेंगे। अस्थायित्व और चंचलता के आप शिकार होंगे। आपका बड़ा भाई अमीर या निःसंतान होगा, ऐसी आशंका है। समय साढ़े दस, 21-42वां वर्ष पिता या ससुर की आयु पर भारी रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें।
2. दूसरा विवाह न करें।

उपाय :

1. चांदी का ठोस हाथी घर पर रखें।
2. बुजुर्गी मकान की दहलीज के नीचे चांदी की पत्ती लगाएं।

नोट : यदि दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले मकान में रिहाईश हो तो भी उपरोक्त उपाय जरूर करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन-दौलत के मालिक होंगे। इसके श्रेष्ठ फल से आप निहाल हो जाएंगे। आपको अपने भविष्य के लिए जागरूक रहना चाहिए। आपको राजपक्ष से शासन से संबंधित कार्यों में अच्छा फल मिलेगा। खानदानी जायदाद से अधिक जायदाद अपने हाथों से बना लेंगे। आपके जीवन में उत्तम राजयोग की संभावना है। आप सरकार पक्ष से या सम्मानित व्यक्ति से लाभ प्राप्त करेंगे। आप यदा-कदा हिम्मत हार बैठेंगे। आपकी औलाद शारीरिक तौर पर अच्छे स्वभाव की और अच्छे काम करने वाली होगी।

यदि आपको काम पर जाते समय कोई पीछे से कोई आवाज दे, माता से झगड़ा या माता का विरोध किया, पुत्र संतान का लालन-पालन अच्छी प्रकार न किया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से संतान पक्ष को कुछ कष्ट की आशंका है। मां के साथ आपके मधुर संबंध में न्यूनता की आशंका है या माता को आपकी संतान से सुख नहीं मिलेगा। आपको हमेशा ही पेट में दर्द की बीमारी लगी रह सकती है। आपके पुत्रोत्पत्ति के पश्चात् माता के सुख का अभाव हो जाएगा। माता की आंखों का आप्रेशन हो सकता है। बल्कि कुछ सुस्त या नामर्दी भी महसूस करेंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

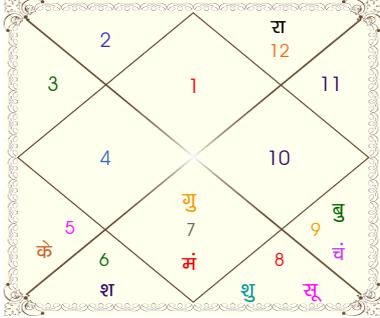
1. शुभ काम पर जाते समय पीछे से कोई आवाज दे तो शुभ काम पर न जाएं।
2. व्यतीत समय को याद न करें।

उपाय :

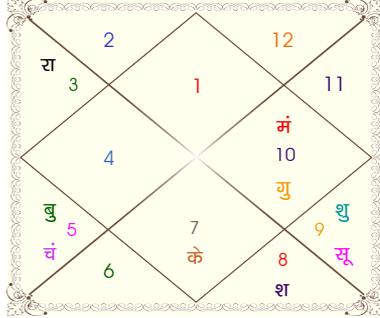
1. काला कुत्ता न पालें।
2. काले-सफेद पत्थर के चकले पर रोटी बेल कर बनायें।

लाल किताब - वर्ष कुंडली

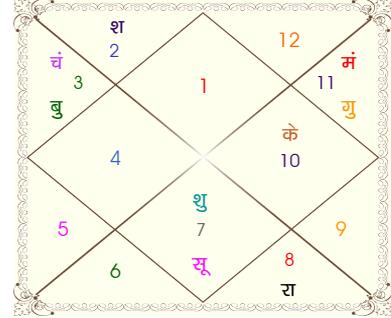
2026



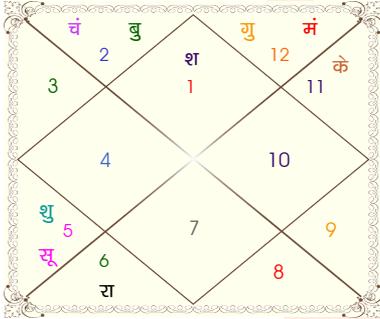
2027



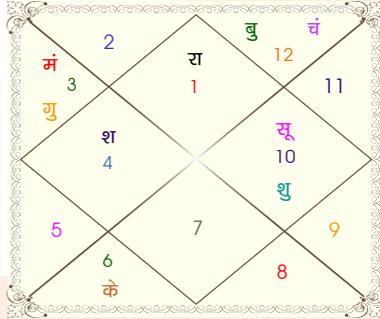
2028



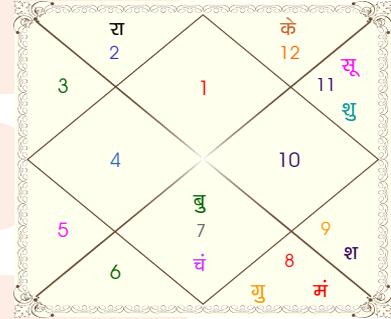
2029



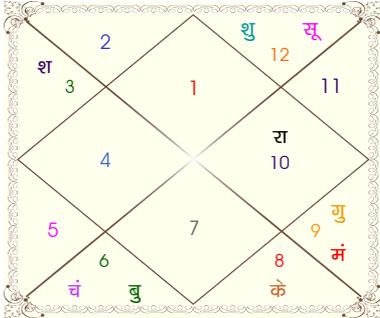
20230



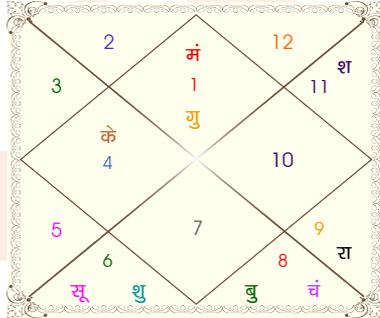
2031



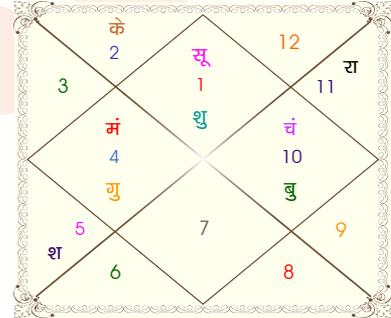
2032



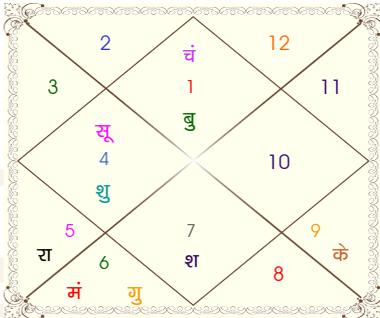
2033



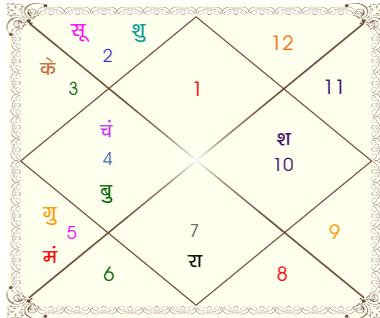
2034



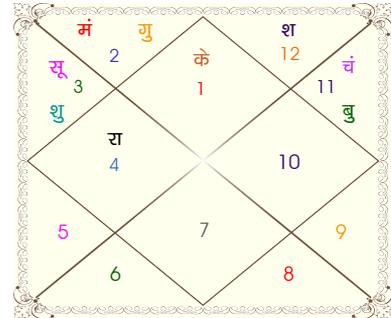
2035



2036



2037



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

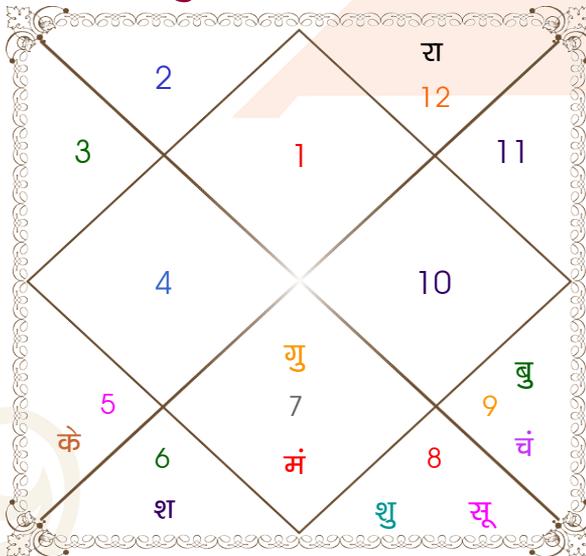
वर्तमान आयु - 61
वर्तमान दशा - शुक

| ग्रह | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|-------|------|------|-------|-----------|
| सूर्य | -- | -- | -- | नेक |
| चंद्र | -- | -- | -- | नेक |
| मंगल | -- | -- | -- | नेक |
| बुध | -- | -- | -- | मन्दा |
| गुरु | -- | -- | -- | मन्दा |
| शुक | -- | -- | -- | मन्दा |
| शनि | -- | हाँ | -- | मन्दा |
| राहु | -- | -- | -- | नेक |
| केतु | -- | -- | -- | नेक |

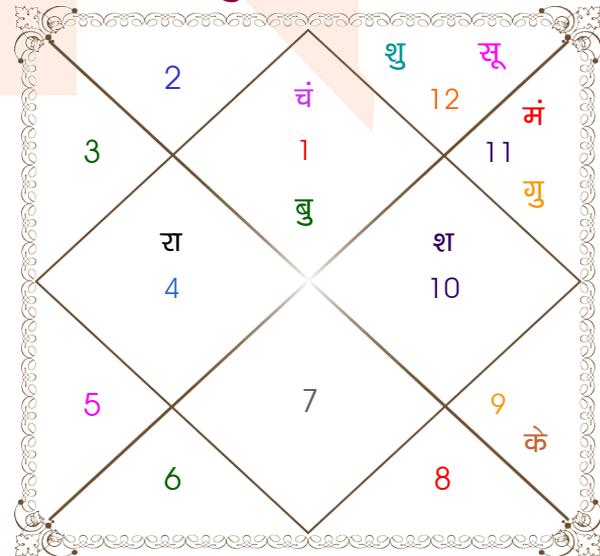
भाव स्थिति

| खाना | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|------|-----|----|-----|-----|----|----|----|----|----|-----|-----|----|
| सोया | हाँ | -- | हाँ | हाँ | -- | -- | -- | -- | -- | हाँ | हाँ | -- |

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप मृत्यु शैय्या पर पड़े किसी व्यक्ति के पास जब तक बैठें रहेगे तब तक उसकी मृत्यु नहीं होगी। हर काम को जिम्मेदारी के साथ निभाने में प्रत्यनशील रहेंगे, स्वभाव साधु जैसा होगा। आप अपने लिये किये गये कार्यों को लोगों को समर्पित करेंगे। सच्चाई से अधिक तरक्की करेंगे।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई को अपवित्र न रखें।
2. परस्त्री से अनैतिक संबंध न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष समाज के लोगों से हार्दिक होगी। आपको पैतृक जायदाद का लाभ मिलेगा। तीर्थ यात्रा का अच्छा फल मिलेगा। आपकी संगीत विद्या में रुचि, धार्मिक विचार या धर्म-कर्म में रुचि अधिक रहेगी। आपको विनम्र स्वभाव रखना ही शुभ है जिससे आप तरक्की के शिखर पर पहुंच जाएंगे, धन-दौलत में बरकत होगी।

चंद्र की शुभा बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. झूठ न बोलें, झूठा भोजन न खिलाये और न खायें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार की तरक्की और वृद्धि होगी। रोते हुए व्यक्ति को हंसाना और उसको ढांडस देकर मदद करना अपना कर्तव्य समझेंगे, इन्साफ पसन्द, ज्योतिष विद्या में रुचि रहेगी, विष्णु भगवान की तरह संसार के पालक सिद्ध हो सकते हैं। जज, सरपंच, नेता जैसे आदि पद का अधिकार भी मिल सकता है।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।
2. घर में बेलदार पौधे या बेलें न लगावें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष पिता से दूरी या पिता की चिंता रहेगी, पिता का धन नाश हो सकता है। आपको जुबान से सम्बन्धित बीमारी हो ऐसी आशंका है। गृहस्थ और संतान के सम्बन्ध में कुछ खराबियां भी हो सकती हैं। हर काम में कदम-कदम पर आपको विचार करके चलना चाहिये। यात्रा से हानि का भय है, सतर्क रहें।

बुध की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गऊ घ्रास दें।
2. लोहे की गोली पर लाल रंग करके पास रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 7 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष घर में मंदिर बना कर पूजा करना धन-परिवार के लिये अशुभ होगा। घर में मंदिर हानिकारक मगर दीवार पर तस्वीरें लगा कर पूजा-पाठ कर सकते हैं। घूमने-फिरने वाले साधू की संगत से भाग्य खराब हो जाएगा और जीवन में उतार-चढ़ाव देखना पड़ेगा। मामा को संतान की चिंता रहेगी। बुरे लोगों की संगति से बचे।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. शुद्ध सोना और रत्तियां पीले कपड़े में बांध कर रखें।
2. आप विवाहित हैं तो स्त्री मायके से कुछ न कुछ सामान लावें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 8 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष गुप्त रोग का भय है। चाल-चलन ठीक रखें वरना पत्नी का स्वभाव चिड़चिड़ा हो सकता है। पत्नी से झगड़ा करना आपके लिये हार और हानि का कारण होगा। पत्नी की हर बात में हां में हां जरूर मिलायें मगर करें अपने मन की। आपके द्वारा दी गई जमानत आपको भरनी पड़ सकती है।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गंदे नाले में तांबे का पैसा या फूल डालें।
2. धर्म स्थान में सिर झुकाएं।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 6 में अशुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष पूर्णिमा के दिन कोई नया काम न शुरू करें। कारण, इस दिन शुरू नये काम से लाभ न होगा। चमड़े का समान मुफ्त/गिफ्ट न लें इससे आपका मान-सम्मान कम होगा या अकारण बेइज्जती का कारण बनेंगे। परिवार में किसी को गुर्दे या पथरी रोग का भय रहेगा।

शनि की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. काले कुत्ते की सेवा/पालन करें।
2. नया जूता किसी को पहनाकर पहनें या खरीदने के 6 दिन बाद पहनें।
3. बादाम गंदे नाले में डालें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगे। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई से बाहर बैठ कर खाना न खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष गुरु भक्ति में रुचि रहेगी। चाल-चलन ठीक रहेगा। धर्म-ईमान की स्थिति शुभ होने के कारण संतान का सुख मिलेगा। पुत्र के द्वारा आपका भाग्योदय होगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग है तो पुत्र लाभ होगा। यात्रा से तरक्की होगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

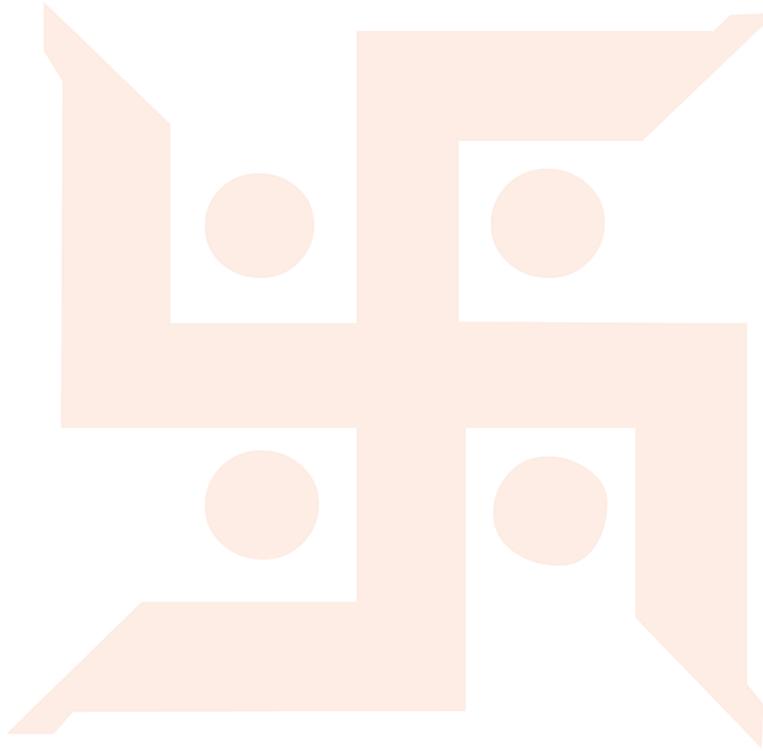
परहेज :

1. बुरे चलन के लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक/ट्रंक/अलमारी को हमेशा ताला न लगा रहें। ताले को कभी-कभी खोलते रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- तांबे का पैसा या फूल गंदे नाले में डालें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

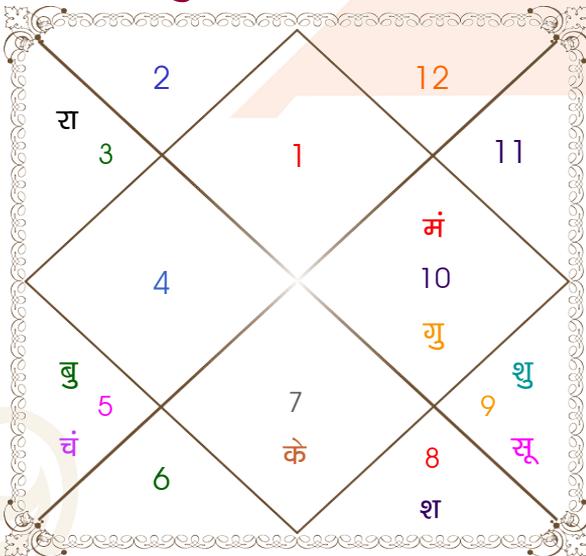
वर्तमान आयु - 62
वर्तमान दशा - शुक

| ग्रह | अंधा | सोया | धर्मी | नेक/मन्दा |
|-------|------|------|-------|-----------|
| सूर्य | -- | -- | -- | नेक |
| चंद्र | -- | -- | -- | नेक |
| मंगल | -- | -- | -- | नेक |
| बुध | -- | -- | -- | नेक |
| गुरु | -- | -- | -- | मन्दा |
| शुक | -- | -- | -- | मन्दा |
| शनि | -- | हाँ | -- | नेक |
| राहु | -- | -- | -- | नेक |
| केतु | -- | -- | -- | नेक |

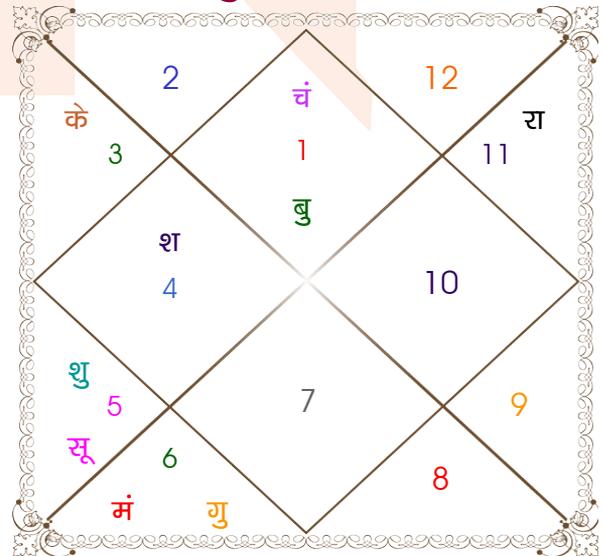
भाव स्थिति

| खाना | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
|------|-----|----|----|-----|----|-----|----|----|----|----|----|----|
| सोया | हाँ | -- | -- | हाँ | -- | हाँ | -- | -- | -- | -- | -- | -- |

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 9 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष उत्तम वाहन का सुख मिलेगा, तीर्थ यात्रा का लाभ व शुभ फल मिलेगा। समाज और परिवार के लिये आपके मन में त्याग और परोपकार की भावनाएं भी रहेगी, परिवार के व्यक्तियों के पालन का अतिरिक्त भार आप पर हो सकता है। स्वपराक्रम से किस्मत का सितारा और भी बुलंद होगा।

सूर्य की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान/गिफ्ट आदि न लें।
2. बहुत नर्म या बहुत गर्म स्वभाव न रखें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके परिवार वालों को सोने-चांदी का लाभ होगा, विद्या का लाभ होगा, आप दूसरों के कष्ट अपने पर झेलेंगे, दूसरों पर परोपकार करेंगे, लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगे उस व्यक्ति की जीत होगी। आपकी बहुत प्रसिद्धि होगी और समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा।

चंद्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हर कार्य में किसी की सलाह जरूर लें।
2. पाप के कामों में अपना हस्तोप न करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आप की गिनती उच्च/प्रतिष्ठित व्यक्तियों में होगी। आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। कोई सरकारी विभाग या पुलिस/सेना विभाग में कार्यरत है तो तरक्की मिलेगी नौकरी व्यापार में अधिक धन लाभ होगा। आप राजसी समय व्यतीत करेंगे। अच्छे या बुरे तरीके से आप धन कमाएंगे, जायदाद और वाहन का सुख होगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सोना न बेचे न गिरवी रखें।
2. दूध उबाल कर रसोई में गैस चूल्हे/ अंगीठी /चूल्हे आदि पर गिर कर न जले इसका विशेष ध्यान रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा और सुख के साधन मिलेंगे, ज्योतिष विद्या और धर्म-अध्यात्म के प्रति रुचि, आप जो बात मुंह से कहेंगे वह सच हो सकती है अर्थात् आपके मुंह से निकला वाक्य ठीक वाक्य माना जा सकता है। अचानक धन लाभ होगा और बहुत अच्छे दिन देखने को मिलेंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गऊ मुख घर में रिहाईश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि का मुंह देखना पड़ेगा। संतान की चिंता, पिता-दादा का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें (रविवार को छोड़कर)।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 9 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष एल्युमिनियम के बर्तनों का प्रयोग करेंगे तो वह आपको हानिकारक हो सकते हैं। मादक द्रव्यों और चीजों का कुसंगति के कारण प्रयोग करना शुरू कर सकते हैं इससे बच कर रहें। स्त्री, धन, संतान पर समय मध्यम रहेगा। चाल-चलन ठीक रखें कारण गुप्त रोग का भय है। भाई-बंधुओं से सावधान रहें।

शुक्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. मकान बनाएं तो नींव में चांदी के बर्तन में शहद भर कर रखें।
2. नीम के पेड़ के तने में चांदी के 9 चौरस टुकड़े दबायें (अगर आपके पुत्र संतान है तो)।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 8 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका मनमौजी स्वभाव रहेगा। एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से लाभ होगा। भाग-दौड़ के काम न करें। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पुत्र संतान की खुशी मिले, स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। आपके मकान के साथ बंद गली हो उस मकान में आप रिहाइश नहीं रखेंगे तो लाभ होगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अपने नाम पर मकान न खरीदें।
2. सांप न मारें।
3. मकान के मुख्य द्वार की दहलीज की पूजा करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 7 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष दिनों-दिन आपके धन की बढ़ेत्तरी होती रहेगी, ऐसी संभावना है। आजीविका के नये साधन बनेंगे। आप अपनी धुन के पक्के रहेंगे। जिसके कारण आप बड़े से बड़े व्यक्ति के सामने अपना झंडा गाड़ लेंगे। आपकी संतान आपकी सहायता में रहेगी और संतान मुसीबत में दुश्मन को मार आयेगी।

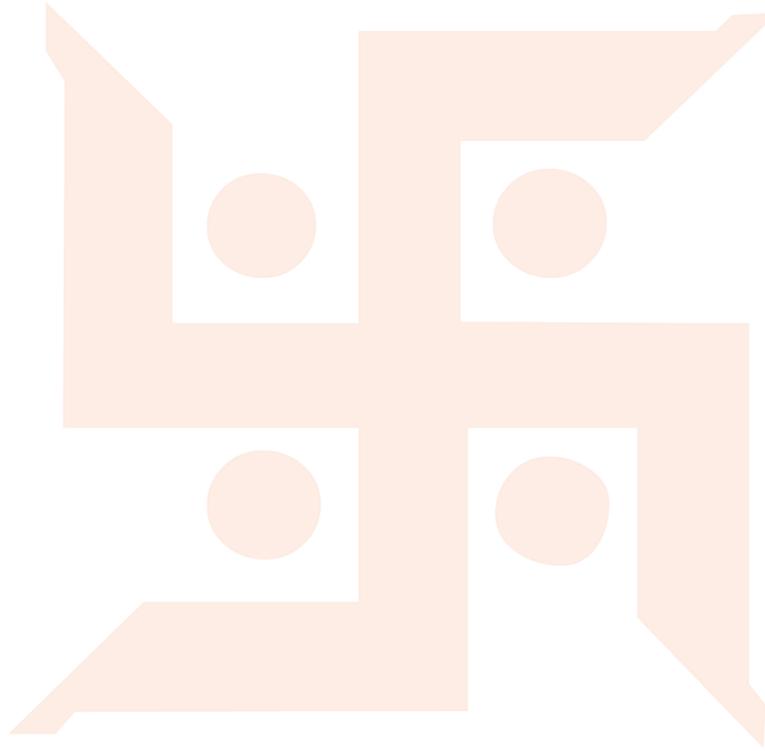
केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक संबंध न रखें।
2. कलम से लिखने का काम न करें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- गुरु-साधू की सेवा करें या पीपल का वृक्ष लगावे।
(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।